भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

सैन्य कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 747

26 जुलाई, 2024 को उत्तर के लिए

भारतीय सेना द्वारा विकसित विद्युत रक्षक

747. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री सुधीर गुप्ता:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय सेना द्वारा विकसित विद्युत रक्षक नामक एकीकृत निगरानी, सुरक्षा और नियंत्रण प्रणाली शुरू की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(ग) उन स्थानों का ब्यौरा क्या है जहाँ प्रथम चरण में देश में विद्युत रक्षक प्रणाली लगाई जाएगी;

(घ) विद्युत रक्षक प्रणाली से भारतीय सेना की रक्षा क्षमता में किस प्रकार वृद्धि होगी; और

(ङ) इस प्रणाली के विकास पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है?

<u>उत्तर</u>

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) जी, हाँ।

(ख) इस प्रणाली का विवरण और मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

(i) विद्युत रक्षक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित जेनरेटर निगरानी, प्रतिरक्षण और नियंत्रण प्रणाली है, जो अनेक जेनरेटरों के दूरस्थ (रिमोट) संचालन और नियंत्रण को सक्षम बनाती है।

(ii) यह जेनरेटरों के प्रकार, मेक, रेटिंग और विंटेज के निरपेक्ष सभी जेनरेटरों पर प्रयोज्य है।

(iii) जेनरेटरों के मापदंडों की निगरानी करने के अलावा, यह त्रुटि पूर्वानुमान/रोकथाम में सक्षम करती है और प्रयोक्ता अनुकूल डैशबोर्ड के माध्यम से मैनुअल संक्रिया स्वचालित करती है।

(ग) 'विद्युत रक्षक' को प्रथम चरण में लेह-लद्दाख क्षेत्र में संस्थापित किया जाएगा।

(घ) 'विद्युत रक्षक' निम्नलिखित तरीके से भारतीय सेना की रक्षा क्षमता सुदृढ करेगी :-

(i) यह दूर-दराज के क्षेत्रों में भी नियोजित अनेक जेनरेटरों की एकल नियंत्रण केंद्र से एकीकृत संक्रिया को सरल बनाएगी।

(ii) 'विद्युत रक्षक' द्वारा जेनरेटरों का वास्तविक समय दोष विश्लेषण भारतीय सेना की दूर-दराज की चौकियों में नियोजित जेनरेटरों में दोषों का त्वरित निराकरण सुगम होगा।

(ङ) इस प्रणाली के विकास पर कुल 5 लाख रुपए की राशि व्यय की गई है।

*****